

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

कक्षा - 9

हिंदी (आलोक)

अध्याय – 6

चिकित्सा का चक्कर

बेढब बनारसी

भाग – 5

अभ्यासमाला

कीर्ति बसुमतारी

5. किसने, किससे और कब कहा?

(क) अभी अस्पताल खुला न होगा, नहीं तो आपको दवा मँगानी न पड़ती।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

5. किसने, किससे और कब कहा?

(क) अभी अस्पताल खुला न होगा, नहीं तो आपको दवा मँगानी न पड़ती।

उत्तर : सरकारी अस्पताल के डॉक्टर ने लेखक से कहा, जब लेखक ने चन्द्रकला फार्मेसी से दवा मंगवाई।

(ख) यार! आप तो ऐसी बात करते हैं, गोया जिंदगी से बेजार हो गए हैं।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) यार! आप तो ऐसी बात करते हैं, गोया जिंदगी से बेजार हो गए हैं।

उत्तर : हकीम साहब ने लेखक से कहा, जब लेखक दर्द के मारे अपनी जिंदगी हकीम के हाथों में सौंप रहे थे।

(ग) मैं तो पहले ही सोच रही थी कि यह कुछ ऊपरी खेल है।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) मैं तो पहले ही सोच रही थी कि यह कुछ ऊपरी खेल है।

उत्तर : नानी की मौसी ने लेखक से कहा, जब वे लेखक से मिलने आई थीं।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) तुम्हारी बुद्धि कहीं घास चरने गयी है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) तुम्हारी बुद्धि कहीं घास चरने गयी है?

उत्तर : लेखक की पत्नी ने लेखक से कहा, जब उसने दंत चिकित्सक से दाँत उखड़वाने के लिए रुपये मांगे थे।



भाषा-अध्ययन —

1. निम्नांकित संज्ञाओं के स्त्रीलिंग रूप लिखो:

डॉक्टर-

विद्वान-

पंडित-

ससुर-

मौसा-

कवि-

आचार्य-

श्रीमान्-

नाना-

भाग्यवान-

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भाषा-अध्ययन —

1. निम्नांकित संज्ञाओं के स्त्रीलिंग रूप लिखो:

डॉक्टर-	डॉक्टरनी	कवि-	कवयित्री
विद्वान-	विदुषी	आचार्य-	आचार्या
पंडित-	पंडिताइन	श्रीमान्-	श्रीमती
ससुर-	सास	नाना-	नानी
मौसा-	मौसी	भाग्यवान-	भाग्यवती

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. निम्नांकित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग करो:

दिमाग चाटना-

अर्थ: बहुत अधिक बातें करके परेशान करना।

वाक्य प्रयोग: राहुल ने दिनभर मेरे साथ रहकर मेरा दिमाग चाट लिया।

कतर-व्योंत करना-

अर्थ: बचत करना या काट-छांट करना।

वाक्य प्रयोग: बढ़ती महंगाई के कारण आजकल हर गृहणी को घर के खर्चों में कतर-व्योंत करनी पड़ती है।

दर्जी ने कपड़े की अनावश्यक कतर-व्योंत करके उसे सही नाप का बना दिया ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

पिण्ड छुड़ाना-

अर्थ: किसी से पीछा छुड़ाना या मुक्ति पाना।

वाक्य प्रयोग: बहुत मुश्किल से मैंने अपने पीछे पड़े उस आदमी से पिण्ड छुड़ाया।

रफूचक्कर होना-

अर्थ: भाग जाना या गायब हो जाना।

वाक्य प्रयोग: पुलिस को देखते ही चोर रफूचक्कर हो गया।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

कान काटना-

अर्थ: बहुत चालाक होना या किसी से बढ़कर होना।

वाक्य प्रयोग: यह छोटा बच्चा तो बड़ों-बड़ों के कान काटता है, बहुत होशियार है।

हवा हो जाना-

अर्थ: किसी व्यक्ति या वस्तु का अचानक और चुपचाप गायब होना

वाक्य प्रयोग: जैसे ही मैंने चोर को देखा, वह पल भर में हवा हो गया।

करवटें बदलना-

अर्थ: बेचैन रहना, नींद न आना।

वाक्य प्रयोग: परीक्षा में फेल होने की चिंता में रमेश रात भर करवटें बदलता रहा।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. वैद्य जी ने कुछ न पूछा। पहले नाड़ी हाथ में ली। पाँच मिनट तक एक हाथ की नाड़ी देखी, फिर दूसरे हाथ की। बोले 'वायु का प्रकोप है, यकृत से वायु घूमकर पित्ताशय में प्रवेश कर आँत में जा पहुंचा है।

– इन पक्तियों में रेखांकित शब्द किसी न किसी कारक की विभक्तियों को सूचित करते हैं। इस तरह कारक के आठ भेदों के अलग-अलग विभक्तियाँ होती हैं। कारक के सभी विभक्तियों का प्रयोग करते हुए आठ वाक्य लिखो।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

उत्तर - कारक वह शब्द या पद है जो संज्ञा या सर्वनाम का वाक्य में क्रिया से संबंध बताता है।

यह वाक्य के अर्थ को स्पष्ट करता है और बताता है कि क्रिया कौन कर रहा है, किसके लिए कर रहा है, किससे कर रहा है, कहाँ कर रहा है, आदि ।

कारक के आठ भेद और उनकी विभक्तियाँ होती हैं-

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

नीचे प्रत्येक कारक के विभक्ति सहित एक वाक्य दिया गया है:

- कर्ता (ने): राम ने खाना खाया।
- कर्म (को): माँ बेटे को पुचकारती है।
- करण (से/के द्वारा): वह कलम से लिखता है।
- संप्रदान (को/के लिए): पिताजी मोहन के लिए खिलौना लाए।
- अपादान (से अलग होने के अर्थ में): पत्ता पेड़ से गिरता है।

- संबंध (का/के/की): यह मोहन का घर है।
- अधिकरण (में/पर): मछली पानी में रहती है।
- संबोधन (हे/अरे): हे भगवान, मेरी रक्षा करो।



4. ‘ईमानदार’ ‘कामदार’ जैसे शब्दों के अंत में ‘दार’ प्रत्यय लगे हैं। ‘दार’ प्रत्यय लगाकर अन्य पाँच शब्द लिखो।

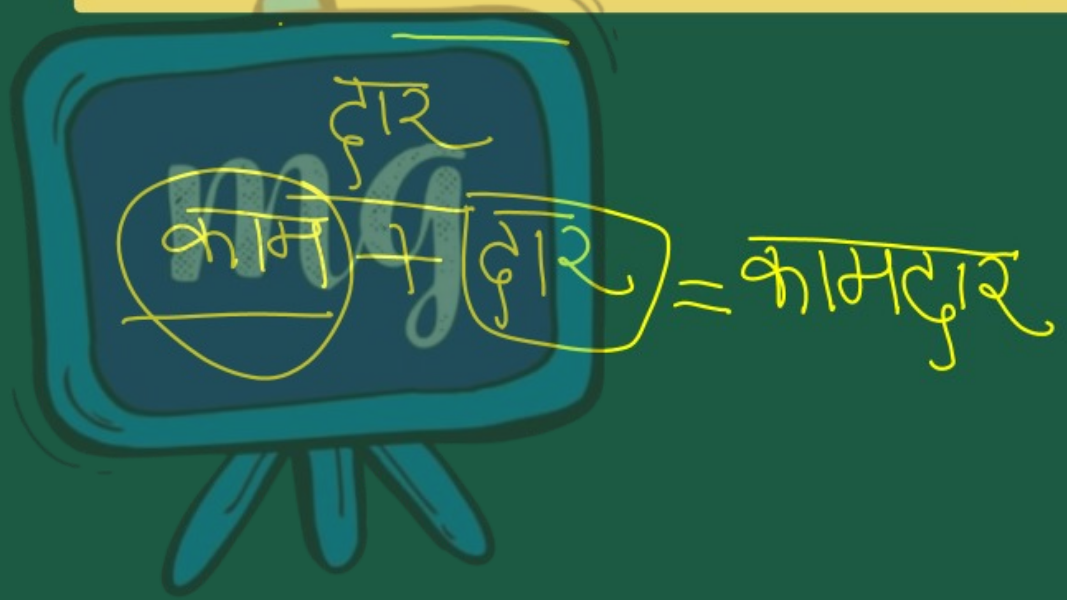

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. ईमानदार' 'कामदार' जैसे शब्दों के अंत में 'दार' प्रत्यय लगे हैं। 'दार' प्रत्यय लगाकर अन्य पाँच शब्द लिखो।

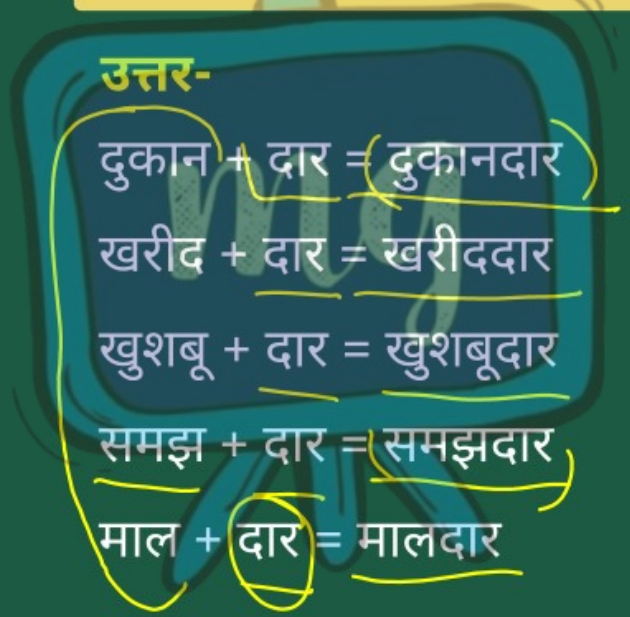

उत्तर-

दुकान + दार = दुकानदार

खरीद + दार = खरीददार

खुशबू + दार = खुशबूदार

समझ + दार = समझदार

माल + दार = मालदार

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

5. पाठ मे आये अरबी-फारसी भाषा के किन्हीं दस शब्दों को छांटकर उनका हिन्दी में अर्थ लिखो।



5. पाठ मे आये अरबी-फारसी भाषा के किन्हीं दस शब्दों को छांटकर उनका हिन्दी में अर्थ लिखो।

अरबी-फारसी शब्द	हिन्दी अर्थ
तशरीफ़	आगमन / पधारना (सम्मानपूर्वक आना)
नुस्ख़ा	दवा की पर्ची / इलाज का तरीका
एहतियात	सावधानी
मर्ज़	बीमारी
मिज़ाज	स्वभाव / तबीयत
गुफ़्तगू	बातचीत
नब्ज़	नाड़ी / नाड़ी की धड़कन

अरबी-फारसी शब्द	हिन्दी अर्थ
शिफ़ा	रोग से छुटकारा
फ़िज़ूल	बेकार / अनावश्यक
ज़िक्र	उल्लेख / किसी बात का कहना